https://www.upboardonline.com/

आपदा प्रबन्धन

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

इकाई–4

मानवजनित आपदाः– दुर्घटना जनित, नाव, सड़क, रेल, वायुयान, समुद्री वाहन, व जंगल एवं बस्ती की आग, बिलडिंग का गिरना, स्टेंम्पीड़ (भगदड़), रेडियोएक्टिव प्रदूषण, आतंकवादी हमला, युद्ध बायोटेरजम, विद्युतीय, विषक्तीकरण, महामारी आदि की दशाएं, प्रमुख घटनाएं, प्रभाव, औद्योगिक गतिविधियां।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

आपदा प्रबन्धन

कक्षा–9

उद्देश्य–

1– स्कूल पर विभिन्न आपदाओं के विषय में जागरूकता प्रदान करना।

2– किसी भी आपदा के घटने पर विद्यार्थीयों को स्वतः बचाव कार्य में मद्द करने के लिए तैयार रहना।

3– स्कूल स्तर पर मॉडल आपदा प्रबन्धन प्लान के बारे में अवगत होना।

4– **रोजगार के अवसर–** इस पाठ्यक्रम से राज्य सरकार, केन्द्र सरकार एवं एन0जी0ओ0 में सहायक के पद पर अवसर प्राप्त होता है।

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम

पूर्णांकः 50 अंक

इकाई–1 **10 अंक**

परिचय– आपदा का तात्पर्य, भारत एवं विश्व में घटित आपदाये एवं परिस्थितियाँ, नुकसान, मुख्य आपदाओं के उदाहरण, भारत सरकार द्वारा संचालित आपदा संबंधित कार्यों की जानकारी, प्राकृतिक आपदा राहतकोष एवं आपदा नियंत्रण बोर्ड के कार्य।

इकाई–2 **10 अंक**

आपदा की परिभाषा, किस्म–प्राकृतिक एवं मानवजनित अति– संवेदनशील आपदायें उनके कारण, असुरक्षित दशायें, जोखिम, आपदाओं का वर्गीकरण (भूगर्भीय जोखिम, जल एवं जलवायु सम्बंधित जोखिम, पर्यावरण सम्बंधित जोखिम, रासायनिक, परमाणु, औद्योगिक जोखिम एवं दुर्घटना आदि, उदाहरण एवं व्याख्या)

इकाई–3 **15 अंक**

विभिन्न प्रकार की आपदाओं का विस्तृत वर्णन– भूकंप, बाढ़, सूखा, चक्रवात, सुनामी, बादल फटना, ज्वालामुखी, भूक्षरण एवं भू स्खलन, बवंडर, तूफान, आंधी, शीत एवं ग्रीष्म वायु, ओला वृस्टि, महामारी कारण एवं लक्षण, प्रभाव क्षेत्र, पैटर्न, परिणाम आदि की उदाहरण सहित व्याख्या।

इकाई–5 **15 अंक**

Downloaded From official website on dt 12-Nov-2021

https://www.upboardonline.com/

आपदा नियंत्रणः– पूर्वानुमान, चेतावनी, बचाव की योजना, तैयारी, विभिन्न आपदाओं के समय किये जाने वाले एवं न किये जाने वाले कार्य, बचाव के उपाय, आपदा की मापन, इकाई मैपिंग एवं मूल्यांकन, विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी, नियंत्रण की स्थापना।

प्रयोगात्मक विषय (Practical)– **50 अंक**

प्रयोग–1: वायुमण्डीय दाब मापना

प्रयोग–2: आर्द्रता (**Humidity**)मापना

प्रयोग–3: तापक्रम मापना, मानव एवं विवरण

प्रयोग–4: वायु–वेग एवं वायु दिशा मापना एवं विवरण

प्रयोग–5: आपदा सुरक्षा उपकरणों का अध्ययन

संस्तुत पुस्तकें–

1– आपदा एवं आपदा प्रबन्धन– महेश कुमार

2– Disastar Management- Dr. I.Sundar

3- Disastar Management- IGNOU Help Book

4- Environment and Disater Management- Vijram and Ravi (IAS)

5- Together Together a Saber India-

6- Natural Hazards and Disastar Management By – B.C. Jat

7- Natural Hazards and Disastar Management By – R.B. Singh

8- Disastar Management – By Sulphey M.M.

9- Disastar Management- Harsh K. Gupta

10- Disastar Management- Marinalini Panday

11- Disastar Management- S. Mukherjee

उपकरणों की सूची–

1– विभिन्न प्रकार के अग्नि समक यंत्र(Cylinder) – 1 नग

2– प्राथमिक उपचार बाक्स– 3 नग

3– कम्बल– 2 नग

4– सीढ़ी– 1 नग

5– बालू की बाल्टी– 3 नग

6– स्ट्रेचर– 1 नग

7– रस्सी– 1 गठ्ठर

8– हथौड़ी– 2 नग

9– एक्मकेवेटर– 1 नग

10– सीढ़ी– 1 नग

11– डम्पर– 2 नग

शिक्षकों की अर्हताः– आपदा प्रबन्ध में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा बी0एड0 की आवश्यकता नहीं है।

Downloaded From official website on dt 12-Nov-2021